Daily Current Affairs
19 April 2023

Index

- पीटीपी-एनईआर योजना
- विश्व लीवर डे
- युवा पोर्टल
- राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार सप्ताह।
- "नमन" नामक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (ग्रामीण समुदायों के लिए निमहांस-एएचटी व्यापक मानसिक-स्वास्थ्य कार्रवाई कार्यक्रम)
- कुंबम अंगूर जीआई टैग
- इसरो सिंगापुर के पृथ्वी अवलोकन उपग्रह TELEOS-02 को लॉन्च करेगा।
- महान प्रशांत कचरा पैच।

Important News: International

1. पीटीपी-एनईआर योजना

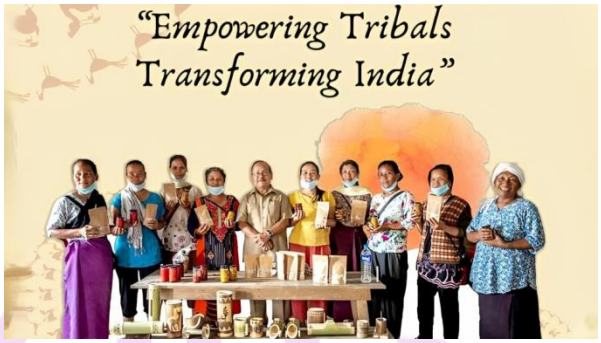

चर्चा में क्यों:- श्री अर्जुन मुंडा "पूर्वोत्तर क्षेत्र (पीटीपी-एनईआर) से जनजातीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विपणन और रसद विकास" योजना शुरू करेंगे।

A.यह योजना जनजातीय उत्पादों की खरीद, संभार तंत्र और विपणन दक्षता में वृद्धि करके पूर्वोत्तर क्षेत्र में रहने वाली अनुसूचित जनजातियों को लाभान्वित करने के लिए तैयार की गई है।

B.यह योजना अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम जैसे आठ राज्यों में लागू की जाएगी।

C.इस योजना के तहत, सरकार आज से 68 जनजातीय कारीगर मेलों का आयोजन करके पूर्वोत्तर क्षेत्र के आदिवासी कारीगरों को सूचीबद्ध करने की योजना बना रही है। ये मेले क्षेत्र के विभिन्न जिलों में आयोजित किए जाएंगे और आदिवासी कारीगरों को अपने उत्पादों और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करेंगे।

D.इस योजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों से अपने उत्पादों को बढ़ावा देकर और प्रदर्शित करके आदिवासी कारीगरों की आजीविका के अवसरों को मजबूत करना है।

(SOURCE – LIVEMINT)

2. विश्व लीवर डे

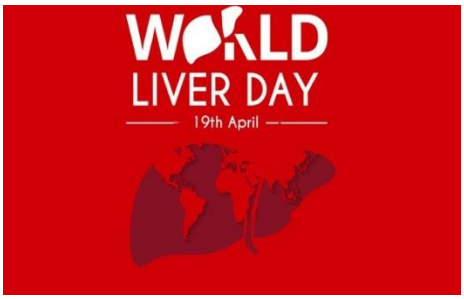

चर्चा में क्यों:- विश्व यकृत दिवस (डब्ल्यूएलडी) हर साल 19 अप्रैल को यकृत और मानव शरीर में इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है।

A.विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, यकृत रोग भारत में मृत्यु का 10 वां सबसे आम कारण है।

B.स्वस्थ को बढ़ावा देने के लिए विश्व लिवर डे मनाया जाता है जीवित रहना, वसायुक्त खाद्य पदार्थों की खपत को हतोत्साहित करना और यकृत रोगों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना।

C.विश्व यकृत दिवस 2023 के लिए विषय "सतर्क रहें, नियमित यकृत जांच करें, फैटी लीवर किसी को भी प्रभावित कर सकता है।

D. विश्व यकृत दिवस पर यकृत स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। हेपेटाइटिस, सिरोसिस और यकृत कैंसर यकृत की स्थिति के उदाहरण हैं जो घातक हो सकते हैं।

E.जिगर मानव शरीर में सबसे जटिल अंगों में से एक है। यह हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता, पाचन और मेटाबॉलिज्म में अहम भूमिका निभाता है। इसके अलावा, यह विषाक्त पदार्थों के निस्पंदन को भी करता है, विटामिन और खनिजों को संग्रहीत करता है, और अन्य कार्यों के बीच पित्त का उत्पादन करता है।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

3. युवा पोर्टल

चर्चा में क्यों:-22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में युवा और उभरते लेखकों की बड़े पैमाने पर भागीदारी के साथ पीएम-युवा योजना के पहले संस्करण के महत्वपूर्ण प्रभाव को देखते हुए, पीएम-युवा 2.0 2 अक्टूबर 2022 को लॉन्च किया जा रहा है

A.पीएम-युवा 2.0 का विषय लोकतंत्र (संस्थान, घटनाएं, लोग और संवैधानिक मूल्य) है।

B.यह योजना आकांक्षी युवाओं को खुद को स्पष्ट करने और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों के व्यापक दृष्टिकोण को प्रस्तुत करने के लिए एक खिड़की भी प्रदान करेगी।

C.भारत में लोकतंत्र के विकास की अवधारणा और इसके प्रक्षेपवक्र को संविधान, महिलाओं, युवाओं, धर्म, इतिहास, मानवाधिकार, शिक्षा, राष्ट्रवाद, संस्कृति आदि जैसे विभिन्न उप-शीर्षकों के तहत अध्ययन करने की आवश्यकता है।

D. युवा लेखकों के लिए चयन प्रक्रिया

माईजीओवी प्लेटफॉर्म पर आयोजित एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता के माध्यम से कुल 75 लेखकों का चयन किया जाएगा। https://mygov.in चयन एनबीटी द्वारा गठित की जाने वाली कमेटी करेगी।

प्रतियोगिता की अवधि 2 अक्टूबर से 15 जनवरी, 2023 तक होगी।

प्रतियोगियों को 10,000 शब्दों का एक पुस्तक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा जाएगा। प्रस्तावों की मूल्यांकन अवधि 16 जनवरी 2023 से 31 मार्च 2023 तक होगी। राष्ट्रीय जूरी की बैठक अप्रैल 2023 में आयोजित की जाएगी

चयनित लेखकों के नामों की घोषणा मई 2023 में की जाएगी

मेंटरशिप अवधि 1 जून, 2023 से 30 नवंबर, 2023 तक होगी पुस्तकों के पहले सेट का प्रकाशन 1 फरवरी, 2024 से शुरू होगा।

(SOURCE – THE HINDU)

Important News: National

4. राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार सप्ताह।

चर्चा में क्यों:- पंचायती राज मंत्रालय इस साल 17 से 21 अप्रैल तक राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार सप्ताह मना रहा है।

A.इस महोत्सव का उद्देश्य सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने और जमीनी स्तर पर सुशासन को बढ़ावा देने में पंचायती राज संस्थानों के प्रयासों को मान्यता देना है।

B.राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस हर साल 24 अप्रैल को संविधान (73 वां संशोधन) अधिनियम, 1992 को अपनाने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है जिसने भारत में पंचायती राज को संस्थागत बनाया

C.राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार सप्ताह समारोह 2023 का विषय "पंचायतों के संकल्पों की उपलब्धि का जश्न मनाना" है, जिसका अर्थ है "पंचायतों की आकांक्षाओं की सफलता का जश्न मनाना"।

D.राष्ट्रीय सम्मेलन 18, 19 और 20 अप्रैल, 2023 को एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। इन सम्मेलनों के विषय "गरीबी मुक्त और बढ़ी हुई आजीविका पंचायत, आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा पंचायत और सुशासन के साथ पंचायत", "बाल-अनुकूल पंचायत, महिला-अनुकूल पंचायत, और सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत", और "जल पर्याप्त पंचायत, स्वच्छ और हरित पंचायत और स्वस्थ पंचायत" हैं।

क्रमशः।

ई. पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से एसडीजी का स्थानीयकरण प्राप्त किया जा सकता है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2023 की विभिन्न श्रेणियों के तहत पुरस्कार विजेता पंचायतें

(i) व्यक्तिगत एलएसडीजी विषयों के तहत प्रदर्शन के लिए दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार

(ii) नानाजी देशमुख सर्वश्रेष्ठ पंचायत सतत विकास पुरस्कार

(iii) ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पंचायत पुरस्कार और

(iv) कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार होंगे। पुरस्कार राशि इस अवसर पर पुरस्कार विजेता पंचायतों को डिजिटल रूप से हस्तांतरित की जाएगी।

(SOURCE –NEWS ON AIR)

5. "नमन" नामक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (ग्रामीण समुदायों के लिए निमहांस-एएचटी व्यापक मानसिक-स्वास्थ्य कार्रवाई कार्यक्रम)

चर्चा में क्यों :- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (NIMHANS) और NGO आश्रय हस्त ट्रस्ट (AHT) ने हाल ही में राष्ट्रव्यापी लॉन्च किया तथा नमन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

A.नमन समुदाय में मौजूदा मानव संसाधनों का उपयोग करके लक्षित तालुकों की पूरी आबादी के लिए प्रोत्साहक, निवारक, चिकित्सीय और पुनर्वास देखभाल प्रदान करने की कल्पना करता है।

B. 3 वर्षों में 4 चरणों में लागू किया जाएगा। पहले चरण में संसाधन निर्माण शामिल है, जिसमें कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण शामिल है। दूसरे चरण में संबंधित तालुकों के मानसिक स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए स्थितिजन्य विश्लेषण करना शामिल होगा। तीसरा चरण हस्तक्षेप है, जिसमें चिकित्सीय और पुनर्वास सेवाएं शामिल हैं। अंतिम चरण मूल्यांकन है।

C.नमन को लागू करने के लिए चुने गए दो तालुक उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में मुनस्यारी और कर्नाटक के हसन जिले में बेलूर तालुक हैं।

D.निमहांस कार्यक्रम के समग्र रोडमैप को विकसित और कार्यान्वित करेगा, और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश उत्तराखंड में कार्यक्रम को वितरित करने के लिए निमहांस के साथ सहयोग करेगा। अन्य कार्यान्वयन भागीदारों में कर्नाटक और उत्तराखंड की राज्य सरकारें शामिल हैं।

(SOURCE – INDIAN EXPRESS)

6. कुंबम अंगूर जीआई टैग

चर्चा में क्यों:- तमिलनाडु के कुंबम अंगूर, जिसे कुंबम पन्नीर थ्राचाई के नाम से भी जाना जाता है, को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला है।

A.तमिलनाडु में उगाए जाने वाले अंगूरों में इन अंगूरों की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत है।

B.जीआई टैग की मान्यता कम्बम अंगूर किसानों को अपने उत्पाद को दूसरों द्वारा दोहराए जाने से बचाने में मदद करेगी और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उत्पाद को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

C.तमिलनाडु के पश्चिमी घाट पर स्थित कुंबम घाटी, जिसे कम्बम घाटी के नाम से भी जाना जाता है, को 'दक्षिण भारत के अंगूर शहर' के रूप में जाना जाता है।

D.जीआई टैग उत्पाद को बढ़ावा देने और किसानों के हितों की रक्षा करने में मदद करेगा, जिससे बेहतर कीमतें और लाभ होगा।

(SOURCE – ECONOMIC TIMES)

Important News: States

7. इसरो सिंगापुर के पृथ्वी अवलोकन उपग्रह TELEOS-02 को लॉन्च करेगा।

चर्चा में क्यों:- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 22 अप्रैल को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सिंगापुर के टेलीओएस -2 उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा।

A.TELEOS-2 एक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है। यह प्रक्षेपण ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) द्वारा किया जाएगा।

B.पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को पृथ्वी रिमोट सेंसिंग उपग्रह के रूप में भी जाना जाता है। ये उपग्रह अंतरिक्ष से पृथ्वी ग्रह का निरीक्षण करते हैं।

C.पहला ईओएस या रिमोट सेंसिंग उपग्रह स्पुतनिक 1 था, जो 1957 में सोवियत संघ द्वारा पृथ्वी की कक्षा में भेजा गया पहला कृत्रिम उपग्रह था।

D..ई.ओ.एस. पृथ्वी की सतह से लगभग 500 से 600 किलोमीटर की दूरी पर काम करता है।

E.इन उपग्रहों का उपयोग पर्यावरण निगरानी, कार्टोग्राफी, नेविगेशन और अधिक सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। विभिन्न देशों की सेनाएं जासूसी और संचार के लिए पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों का भी उपयोग करती हैं।

F.नवंबर 2020 , ईओएस -01 के साथ, इसरो ने अपने पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों के लिए एक नई नामकरण प्रणाली में स्थानांतरित कर दिया फरवरी 2022 में, इसरो ने सफलतापूर्वक ईओएस -04 लॉन्च किया

(SOURCE – NEWS ON AIR)

Important News: Days

8. महान प्रशांत कचरा पैच।

चर्चा में क्यों:- ग्रेट पैसिफिक गार्बेज पैच को पैसिफिक गार्बेज वोर्टेक्स के रूप में भी वर्णित किया गया है, जो 1985 और 1988 के बीच खोजे गए मध्य उत्तरी प्रशांत महासागर में समुद्री मलबे के कणों का एक समूह है।

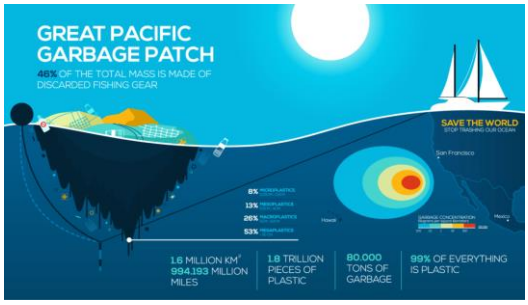

A.लगभग 135 ° W से 155 ° W और 35 ° N से 42 ° N के बीच स्थित है। पैच प्रभावित क्षेत्र को परिभाषित करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्लास्टिक एकाग्रता की डिग्री के आधार पर व्यापक रूप से अलग-अलग सीमा के अनिश्चित क्षेत्र में फैला हुआ है।

B.नीदरलैंड में स्थित शोधकर्ताओं ने ग्रेट पैसिफिक गार्बेज पैच (जीपीजीपी) के साथ बोतलों, कंटेनरों, मछली पकड़ने के जाल और महीन कणों के विशाल संचय को स्कैन करने के लिए नौकाओं और विमानों के एक बेड़े का इस्तेमाल किया और प्लास्टिक कचरे का एक आश्चर्यजनक निर्माण पाया।

C.प्रशांत महासागर में घूमने वाले प्लास्टिक कचरे का विशाल डंप अब फ्रांस, जर्मनी और स्पेन की तुलना में बड़ा है और पहले की आशंका की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है।

D.वर्तमान में जीपीजीपी में लगभग 80,000 टन उछाल प्लास्टिक है। यह 500 जंबो जेट के वजन के आसपास है, और पिछले अध्ययनों में उजागर प्लास्टिक द्रव्यमान से सोलह गुना अधिक है।

E.हवाई और कैलिफोर्निया के बीच समुद्री गायरे पर प्लास्टिक के टुकड़ों की भारी एकाग्रता। डंप में अब प्लास्टिक के लगभग 1.8 ट्रिलियन टुकड़े हैं, जो समुद्री जीवन के लिए दोहरा खतरा पैदा करते हैं।

(SOURCE – TIMES OF INDIA)